

**सेवापुस्तिका स्त्री.** (तत्.) सेवापंजी।

**सेवाप्रभार पुं.** (तत्.) किसी प्रकार की सेवा के बदले में लिया जाने वाला शुल्क, जलपान-गृह या होटल आदि में मेज पर या घर पर भोजन आदि लाने की सेवा का शुल्क, सेवा-शुल्क।

**सेवा बंदगी स्त्री.** (देश.) पूजा, उपासना, आराधना।

**सेवाभंग पुं.** (तत्.) सेवा के बीच रुकावट, सेवा की अवधि में सेवक की अनधिकृत अनुपस्थिति।

**सेवा भाव सं.** (तत्.) सेवा की दृष्टि से उपकार की भावना, सेवा करने की भावना।

**सेवाय अव्य.** (तत्.) अधिक, सिवा, अलावा।

**सेवारंभ वि.** (तत्.) नौकरी या सेवा का आरंभ या शुरुआत।

**सेवाकाकु पुं.** (तत्.) सेवा करते समय किया जाने वाला-स्वर का बदलाव या परिवर्तन, प्रेम, दृढ़ता, नम्रता, विनय आदि का प्रगटीकरण जैसे- कभी जोर से, कभी धीरे व धीमे, कभी खुश होकर तथा कभी अफसोस प्रगट करते हुए बोलना, स्वर-परिवर्तन।

**सेवार स्त्री.** (तद्.) 1. सिवार, एक जलीय घास, शैवाल, नदियों, तालों आदि में होने वाली लंबे, कड़े और तेज किनारों वाली घास 2. मिट्टी की तहें जो किसी नदी के आस-पास जमी हो।

**सेवारा पुं.** (देश.) नमकीन पकवान या पदार्थ जो बेसन का बना होता है, सेवड़ा।

**सेवार्थ क्रि.वि.** (तत्.) सेवा के लिए, सेवा में।

**सेवाल पुं.** (तद्.) सेवार, सिवार, कड़े तथा तेज किनारों वाली जलीय घास, शैवाल।

**सेवावधि पुं.** (तत्.) 1. सेवा की अवधि, सेवा-काल, नौकरी में बने रहने की अवधि 2. नियमानुसार नौकरी से निवृत्त होने की उम्र।

**सेवावाद पुं.** (तत्.) सेवा का धर्म, खुशामद, चापलूसी।

**सेवावादी पुं.** (तत्.) 1. सेवा को ही धर्म समझने वाला 2. खुशामदी, चापलूस।

**सेवावृत्ति स्त्री.** (तत्.) 1. किसी आदरणीय या पूजनीय व्यक्ति की सेवा करने की वृत्ति; नौकरी करके जीविका कमाना, सेवा द्वारा प्राप्त जीविका, नौकरी।

**सेविंग स्त्री.** (अं.) बचत।

**सेविंग बैंक पुं.** (अं.) छोटी रकम पर ब्याज रखने वाला बैंक या डाकघर, अपनी बचत या अपने धन को जमा करने का बैंक जो उक्त धन पर निश्चित दर से ब्याज भी देता है।

**सेवि वि.** (तत्.) पूजित, आराध्य, पूज्य, सेवित, सेव्य तत्. (पुं.) 1. बेर, बदरफल 2. सेवा।

**सेविका स्त्री.** (तत्.) 1. परिचारिका, दासी, सेवा-टहल करने वाली स्त्री, नौकरानी, परिचारिका, रोगी की सेवा करने वाली स्त्री 2. सेवई नामक व्यंजन।

**सेवित पुं.** (तत्.) 1. उपयुक्त, जिसका उपयोग या उपभोग किया गया हो, उपयुक्त, प्रयुक्त, आश्रित, युक्त, संपन्न, जिसकी सेवा, टहल या आराधना की गई हो या की जा रही हो 2. अनुगत, अभ्यस्त, पीछा किया गया 3. जहाँ नित्य आया जाए 4. जहाँ लोग बसे हुए हों।

**सेवितव्य वि.** (तत्.) सीने योग्य, रक्षा करने योग्य, बसने योग्य, रहने योग्य, प्रयोग में लाने योग्य, सेव्य।

**सेविता स्त्री.** (तत्.) 1. ऐसी स्त्री जिसकी सेवा की गयी या की जा रही हो 2. सेवक का कर्म, सेवा, दास-वृत्ति 3. पूजा, अनुसरण करने वाला, आराधना, उपासना, आश्रय।

**सेवी वि.** (तद्.) 1. सेवा करने वाला, आराधक, उपासक; लोकोपकारी संस्थाओं, जनता या बड़े उद्देश्यों के लिए काम करने वाला 2. (समास के अंत में) उपभोग करने वाला, संभोग करने वाला आदी।

**सेवोन्मुक्त वि.** (तत्.) सेवा से उन्मुक्त, सेवा से मुक्त किया हुआ, नौकरी से मुक्त किया हुआ पुं. नौकरी से मुक्त किया हुआ व्यक्ति।